

Padma Shri



SMT. SOWCAR JANAKI

Smt. Sankaramanchi Janaki, popularly known as Sowcar Janaki, is a versatile Indian film actress, TV, voice, radio and stage artist who has appeared in more than 450 films in Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam and Hindi. She has essayed a wide variety of roles in a career spanning 72 years and continues to do so. She is one of the few Indian actors with the longest career span.

2. Born on 12th December, 1931 in Rajahmundry, East Godavari District, Andhra Pradesh, Smt. Janaki started her career as a prominent radio artist at "Aakashvani Madras" at the age of 13. She made her debut in the year 1949 after her marriage, at the age of 18, with the film Shavukaru, paired alongside Dr. NT Rama Rao, directed by the doyen of the film industry and Dadasaheb Phalke awardee Shri LV Prasad and produced by the Dadasaheb Phalke awardee, Late Dr. B.N. Reddy. This film gave her the moniker "Sowcar".

3. Smt. Janaki has acted in films with Dr. MG Ramachandran, Dr. J. Jayalalithaa, Dr. N T Rama Rao, Dr. Nageswara Rao, Dr. Rajkumar, Shri Sivaji Ganesan, Shri Gemini Ganesan, Shri Prithviraj Kapoor to name a few. Some notable films being: Teen Bahuraniyaan, Dosti Dushmani, Prem Geet, Oli Vilakku, Kaaviya Thalaivi, Puthiya Paravai, Iru Kodugal, Thillu Mullu, Bama Vijayam, Ethir Neechal and Baabu. She has acted in Telugu radio plays penned by prominent authors like Dr. P.V. Rajamannar, Shri Aarudra, Shri Padmaraju Aacharya Atreya and others. She has also acted on stage in 3 popular plays directed by notable director Shri. K. Balachander in over 300 shows.

4. Smt. Janaki has been a part of the Freedom movement during the Independence struggle in 1946-47. She has worked closely with Dr. Durgabai Deshmukh during the time. She recalls with great pride, the privilege to have served Mahatma Gandhi, as a young volunteer when Bapuji visited Hindi Prachar Sabha, Madras. She has engaged in various philanthropic activities, especially to do with women empowerment. She has been a role model for generations owing to her disciplined and dedicated nature. She has served as jury member twice, for the National South Indian Film awards committee at Delhi and as chairperson for the State Telugu Film awards committee.

5. Smt. Janaki has received several awards and honours for her contribution to the arts field and some notable ones are: Kalaimamani in 1969-1970; Puratchi Thalaivi Dr. J. Jayalalithaa Special Kalaimamani Award in 2021; Nandi Award in 1987 and 2007; Sri Krishnadevaraya Award; Karnataka State Rajyotsava Lifetime Achievement Award in 2015, Filmfare Lifetime Achievement Award — South in 1984 and 2004; Wonder Women Awards-evergreen entertainer of Indian Cinema in 2019. She has also received an honorary doctorate from the World University, Arizona for Excellence in her chosen field in 1985.

पद्म श्री



श्रीमती सौकार जानकी

श्रीमती सौकार जानकी के नाम से लोकप्रिय श्रीमती शंकरमांची जानकी एक बहुमुखी प्रतिभा की धनी भारतीय फिल्म अभिनेत्री, टीवी, ध्वनि, रेडियो और मंच कलाकार हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में 450 से अधिक फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपने 72 साल के करियर में कई तरह की भूमिकाएं निभाई हैं और अब भी अभिनय जगत में सक्रिय हैं। वह उन गिनी-चुनी भारतीय अभिनेत्रियों में शामिल हैं जिनका अभिनय का सबसे लम्बा करियर रहा है।

2. 12 दिसंबर, 1931 को राजमुंदरी, पूर्वी गोदावरी जिला, आंध्र प्रदेश में जन्मी, श्रीमती जानकी ने 13 वर्ष की आयु में "आकाशवाणी मद्रास" में एक प्रमुख रेडियो कलाकार के रूप में अपने करियर की शुरुआत की। उन्होंने अपने विवाह के पश्चात्, 18 वर्ष की आयु में, वर्ष 1949 में अपने फिल्मी सफर की शुरुआत फिल्म शावुकारु में डॉ. एन.टी. रामा राव के साथ की। इस फिल्म का निर्देशन फिल्म उद्योग के दिग्गज और दादासाहेब फाल्के पुरस्कार विजेता श्री एल.वी. प्रसाद ने और निर्माण दादा साहेब फाल्के पुरस्कार विजेता स्वर्गीय डॉ. बी.एन. रेड्डी ने किया था। इस फिल्म से उन्हें "सौकार" उपनाम मिला।

3. श्रीमती जानकी ने डॉ. एम. जी. रामचंद्रन, डॉ. जे. जयललिता, डॉ. एन. टी. रामा राव, डॉ. नागेश्वर राव, डॉ. राजकुमार, श्री शिवाजी गणेशन, श्री जेमिनी गणेशन, श्री पृथ्वीराज कपूर के साथ फिल्मों में अभिनय किया है। उनकी कुछ उल्लेखनीय फिल्में हैं: तीन बहुरानियां, दोस्ती दुश्मनी, प्रेम गीत, ओली विलाक्कू, काविया थलैवी, पुथिया परवई, इरु कोडुगल, थिल्लू मुल्लू, बामा विजयम, एथिर नीचल और बाबू। उन्होंने प्रसिद्ध लेखक डॉ. पी.वी. राजामन्नार, श्री आरुद्र, श्री पद्मराजू आचार्य आत्रेय और लेखकों द्वारा लिखित तेलुगु रेडियो नाटकों में अभिनय किया है। उन्होंने प्रसिद्ध निर्देशक श्री के. बालाचंदर द्वारा निर्देशित 3 लोकप्रिय नाटकों के 300 से अधिक शो में मंचीय अभिनय भी किया है।

4. श्रीमती जानकी ने 1946-47 के स्वाधीनता संग्राम के दौरान आंदोलन में भी हिस्सा लिया था। उन्होंने उस समय डॉ. दुर्गाबाई देशमुख के साथ मिलकर काम किया। वह बड़े गर्व से याद करती हैं कि जब बापूजी हिंदी प्रचार सभा, मद्रास आए थे, तब उन्हें एक युवा स्वयंसेवक के रूप में महात्मा गांधी की सेवा करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। वह विभिन्न लोकोपकारी कार्य कर रही हैं, विशेष रूप से वह महिला सशक्तीकरण संबंधी कार्य में संलग्न हैं। वह अपने अनुशासित और निष्ठापूर्ण स्वभाव के कारण कई पीढ़ियों के लिए एक रोल मॉडल रही हैं। उन्होंने दिल्ली में दक्षिण भारतीय राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार समिति में दो बार जूरी सदस्य और राज्य तेलुगु फिल्म पुरस्कार समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया है।

5. श्रीमती जानकी को कला के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए कई पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं, जिनमें से कुछ उल्लेखनीय हैं: 1969-1970 में कलामामणि; 2021 में पुराची थलैवी डॉ. जे. जयललिता विशेष कलामामणि पुरस्कार; 1987 और 2007 में नंदी पुरस्कार; श्री कृष्णदेवराय पुरस्कार; 2015 में कर्नाटक राज्योत्सव लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड; 1984 और 2004 में फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड — साउथ; 2019 में वंडर वुमेन अवार्ड्स — भारतीय सिनेमा का सदाबहार एंटरटेनर। उन्हें 1985 में अपने पसंदीदा क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए वर्ल्ड यूनिवर्सिटी, एरिजोना से डॉक्टरेट की मानद उपाधि भी मिली है।